कॉलम ऑन इंश्योरेंस

▪ रोहित शाह

हॉस्पिटल डेली कैश इंश्योरेंस पॉलिसी के बारे में जानिए

बाजार में आज कई तरह की इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। आप जीवन और स्वास्थ्य (मेडिक्लेम) बीमा के अलावा क्रिटिकल इलनेस, पर्सनल एक्सीडेंट, होम प्रोटेक्शन, हॉस्पिटल डेली कैश और एम्पलॉयमेंट इंश्योरेंस भी ले सकते हैं। इस बार हम हॉस्पिटल डेली कैश इंश्योरेंस पॉलिसी के बारे में जानकारी दे रहे हैं..

हॉस्पिटल डेली कैश इंश्योरेंस पॉलिसी का उद्देश्य हॉस्पिटलाइजेशन के दौरान होने वाले अन्य खर्चों की एकमुश्त भरपाई करना है। जब आप अस्पताल में भर्ती होते हैं तब परिवार को अस्पताल में ठहरने या रोज आने-जाने की जरूरत पड़ती है। उनके आने-जाने और अस्पताल में खाने पर पैसे खर्च होते हैं। यह पॉलिसी ऐसे ही खर्चों को रीइम्बर्स करती है।

पॉलिसी का ढांचा इस तरह बनाया गया है कि इसमें व्यक्ति को डेली कैश की राशि और कुल दिन चुनने होते हैं। मसलन, इसमें आप 1,000 रुपए के डेली कैश और अधिकतम 45 दिन का प्लान चुन सकते हैं। यदि आप आईसीयू में भर्ती हैं तो कुछ प्लान सामान्य डेली कैश लिमिट से दोगुनी लिमिट मुहैया कराते हैं। लेकिन इसमें कुल दिनों की संख्या 7 से 10 दिन के बीच सीमित हो सकती है।

कुछ हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियां हॉस्पिटल डेली कैश के कवर को मुख्य पॉलिसी के तहत एक छोटे कम्पोनेंट के रूप में शामिल करती हैं। हालांकि यह कम्पोनेंट आमतौर पर सभी पॉलिसियों में शामिल नहीं होता है। इसलिए पता लगाएं कि आपकी मौजूदा मेडिक्लेम पॉलिसी में आपको यह कवर मिला हुआ है या नहीं। यदि नहीं तो अगले रिन्युअल के वक्त आप इसे राइडर के रूप में पॉलिसी के साथ जोड़ सकते हैं। यदि ऐसा संभव नहीं होता है तो आप एक अलग पॉलिसी भी ले सकते हैं। कई पॉलिसियां लेने से बचें। कोशिश करें कि यह कवर आपको एक ही पॉलिसी में क्रिटिकल इलनेस और पर्सनल एक्सीडेंट कवर के साथ मिल जाए।

यदि 30 वर्ष का व्यक्ति 1,000 रुपए हॉस्पिटल डेली कैश के साथ अधिकतम 45 दिन के लिए यह पॉलिसी लेता है, तो इस बीमे पर महज 1,200 रुपए सालाना खर्च आता है। इसलिए यह कवर लागत में काफी सस्ता पड़ता है। जब आप अस्पताल में भर्ती होते हैं तो इससे अन्य खर्चों की आसानी से पूर्ति हो जाती है।

बेहतर यही होगा कि आप अपने और जीवनसाथी के लिए हॉस्पिटल डेली कैश पॉलिसी लें। बच्चों के लिए इसे लेना जरूरी नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों के मामले में इस पॉलिसी का प्रीमियम आमतौर पर थोड़ा अधिक होता है। इस पॉलिसी को लेने से पहले आपको खुद का हेल्थ (मेडिक्लेम) और पर्याप्त जीवन बीमा कराना चाहिए। ये दोनों आपकी कोर बीमा जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होते हैं। इसके बाद आप हॉस्पिटल डेली कैश कवर ले सकते हैं।

इस पॉलिसी को खरीदने से पहले इसके नियम-शर्तें देख लें। हो सकता है इस पॉलिसी का लाभ लेने के लिए अस्पताल में कम से कम दो दिन भर्ती होने की शर्त जुड़ी हो। इस पॉलिसी में पहले से मौजूद बीमारियां दो से चार साल तक कवर नहीं होती हैं। खास बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड हो सकता है। यह शुरू में 30 दिन का होता है।

-लेखक सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर हैं और द फाइनेंशियल प्लानर्स गिल्ड इंडिया के सदस्य हैं।

rohit.shah@dainikbhaskargroup.com

प्यूमा की बिक्री 34 फीसदी गिरी

सीईओ गुल्डेन को भरोसा, फुटबॉल वर्ल्डकप के बाद कंपनी का होगा कायाकल्प

तीसरी सबसे बड़े स्पोर्ट्स एपेरल बनाने वाली प्यूमा की कमाई वर्ष 2013 में कुल 34 फीसदी तक घट गई। यूरोप में उसकी कुल कमाई 19.1 करोड़ यूरो (1566 करोड़ रुपए)रही। यह पिछले साल 29 करोड़ यूरो (2,378 करोड़ रुपए) थी। 2014 में वह फिर से ग्रोथ की राह में लौटने का भरोसा जता रही है।

खराब प्रदर्शन की वजह

कंपनी खेल परिधान के कारोबार में एडिडास से मुकाबला करने में असफल रही। गुलडेन कहते हैं बदलाव को जल्द पहचानना बेहद जरूरी

रिटेलर से मांग रहे जगह

कंपनी हर रिटेलर के पास जाकर कुछ जगह देने की प्रार्थना कर रही है ताकि वह नाईके और एडिडास के उत्पादों से सीधा मुकाबला कर सके।

यह भी है योजना

वियेतनाम स्थित प्रॉडक्शन सेंटर बंद होगा। लंदन का स्टॉफ को जर्मनी में शिफ्ट होने जा रहा है।

बिजनेस डेस्क, भोपाल

सिस्टम बने तो मिले खरा सोना

ग्राहक के हित में फैसला अच्छा, पर बीआईएस अभी लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली/भोपाल

आने वाले दिनों में सोने की क्वालिटी को लेकर शायद आपकी शिकायतें हमेशा के लिए दूर हो जाएंगी। सरकार की कोशिश देश में बिकने वाले 10 ग्राम के ऊपर के सोने के सारे गहनों को एक अलग पहचान देने की है। इस पहचान से तय होगी सोने की क्वालिटी। लेकिन भारत जैसे ज्वेलरी के बड़े बाजार में सरकार की ये कोशिश कितनी सफल होगी, इसको लेकर संदेह है।

सोने की ज्वेलरी को अलग पहचान देने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) ने कहा है कि 10 ग्राम से ऊपर की गोल्ड ज्वेलरी के लिए यूनीक आईडी दी जाएगी। 3 महीनों में गोल्ड ज्वेलरी के लिए 9 नंबर का यूनीक आईडी जारी करना शुरू किया जाएगा। यूनीक नंबर जारी होने से शुद्ध सोने की ज्वेलरी मिल पाएगी। इसके अलावा हॉलमार्क लाइसेंस फीस में भी 90 फीसदी की कटौती की गई है। पहले 3 साल के लिए फीस 20000 रुपए से घटाकर 2500 रुपए की गई है। सरकार हर ज्वेलरी को अलग पहचान देने के लिए पूरी तरह से जुट गई है। शायद इसी वजह से हॉलमार्किंग फीस में भी भारी कटौती का फैसला लिया गया है। भोपाल सर्राफा एसोसिएशन के प्रवक्ता संजीव गर्ग गांधी ने बताया कि भोपाल जैसे शहरों में अधिकांश ज्वैलर्स बिना हॉलमार्किंग के ही गहने बेच रहे हैं। लाइसेंस फीस घटने पर ज्यादतर ज्वैलर्स लाइसेंस लेने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि नए नियम काफी कड़े हैं।

अभी हमें तैयारी करनी होगीः बीआईएस

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) के डायरेक्टर जनरल सुनील सोनी का कहना है कि पहले इस योजना की तैयारी करनी होगी। अभी तो पॉलिसी की घोषणा की गई है। अभी इसके लिए ख्वाका तैयार करना होगा। एक सॉफ्टवेयर बनाना पड़ेगा। रिसर्च प्रोजेक्ट चल रहा है और अगले हफ्ते इसकी रिपोर्ट आने की उम्मीद है। साथ ही इसके लिए एसोसिएशन से बात होगी। सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी से बात होगी और सब बातों को मिलाकर 3-4 महीने बाद इसके लागू हो पाने की संभावना है।

पहले हॉल-मार्किंग तो हो

बॉम्बे ज्वेलर्स एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट कुमार जैन का कहना है कि बीआईएस के लिए जागरुकता बढ़ गई है लेकिन अभी तक हॉल-मार्किंग ही पूरी तरह नहीं हो पाई है। सरकार ने यूनीक आईडी की योजना शुरु कर एक अच्छा कदम उठाया है।

ग्राहक के हित में है ये कदम

पोपले ग्रुप के डायरेक्टर राजीव पोपले का कहना है कि सरकार का ये कदम ग्राहकों के हित में है। हालांकि इसके लिए पहले पूरी तैयारी होनी चाहिए। हॉल-मार्किंग की शुरुआत 2000 में की थी लेकिन 13 साल बाद भी पूरे देश में ये लागू नहीं हो सका है।

भोपाल बाजार भाव

सोने के दाम में गिरावट,चांदी स्थिर

इक्कतीस हजारी होने के बाद मांग में कमी आने से गुरुवार को सोने के दाम में गिरावट दखने को मिली। सोने के दाम में सौ रुपए की मंदी रही। उधर, औद्योगिक मांग में कमी आने के कारण चांदी के दाम में आज भी स्थिरता रही।

सोना भाव	23 कैरेट ₹30,900 प्रति दस ग्राम		22 कैरेट ₹ 30,300प्रति दस ग्राम	
चांदी भाव	चांदी पाट ₹47,700 प्रति किलो		चांदी टंच ₹47,300 प्रति किलो	

तुवर मीडियम के दाम में तेजी

अनाजों के मांग निकलने से गुरुवार को स्थानीय बाजारों में तुवर मिडियम के व चना दाल और बासमती के दाम थम गए। उधर, मांग में मंदी के कारण नई मूंग, पोहा ,शकर और तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। लेकिन मिलों तक सोयाबीन की आवक कम होने के कारण आने वाले समय में सोया रिफाइंड के दाम में तेजी आने के आसार हैं।

दुबराज 3100-4350, परमल सेला 2350 से 2650 झिल्ली 2150 से 2650 गोल्डन सेला 5500-9500 बासमती तिबर 5000-10500 रुपए वन 6500- 15500 प्रति क्विंटल।

पोहा	मोटा 2500 से 2750	बारीक 2550-2925
	कागजी 3300-3500	एक किग्रा पैकिंग 3400-3600
दाल	चना दाल 3225-4200,	तुअर दाल मीडियम 6000-6400,
	बोल्ड 5800-7300,	रोल 5350-5700, मसूर दाल 5350-5800

नई मूंग दाल 7800-8900 मूंग मोगर 8800-10200रुपए उड़द छिलका 5450-6450 उड़द मोंगर 6050-7700 रुपए।

साबूदाना- 50 किलो पैकिंग- 7200-7800 30 किलो पैकिंग- 7600-7900 रुपए एक किग्रा पैकिंग- 8600 रुपए।

शकर 50 किग्रा कट्टा 3000, शकर एस-30 2950

सोयाबीन तेल ड्रम 7050, मूंगफली तेल ड्रम 9500, पाम तेल 6300 रुपए।

सोयाबीन की आवक 150 बोरी

उपज बेहतर नहीं होने के कारण किसानों के पास अच्छे किस्म की सोयाबीन की कमी है। इसका असर स्थानीय मंडियों में सोयाबीन की आवक पर पड़ रही है। गुरुवार को मंडी में सोयाबीन की आवक 150 बोरी के करीब रही। लेकिन नई फसल की कटाई के साथ ही मंड़ियों में आवक बढ़ने की संभावना है। हांलाकि गेहूं और सरसों के दाम में स्थिरता बनी हुई है। गेहूं मिल क्वालिटी 1650-1700 लोकवन 1750-1900 मालवा शक्ति 1650- 1800 शरबती 2200-2600 सरसों 4000-4200 सोयाबीन 2500-3600 चना 2000-2600 रुपए प्रति क्विंटल।

निर्यात के लिए मांग घटने से चावल 12 फीसदी तक सस्ता

अगले माह से फिर से बढ़ सकती है चावल की मांग

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

बासमती चावल की निर्यात मांग कम होने से इसकी कीमतों में गिरावट आई है। चालू महीने में उत्पादक मंडियों में पूसा-1121 बासमती चावल सेला की कीमतों में 10-12 फीसदी की गिरावट आकर गुरुवार को भाव 7,000-7,200 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। हालांकि चालू वित्त वर्ष 2013-14 के पहले 9 महीनों (अप्रैल से दिसंबर) के दौरान बासमती चावल के निर्यात में 20.95 फीसदी की बढ़ोतरी होकर कुल निर्यात 27.43 लाख टन का हो चुका है।

खुरानिया एग्रो के प्रबंधक रामविलास खुरानिया ने बताया कि बासमती चावल में निर्यातकों की मांग कम होने से कीमतों में 1,000 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। उत्पादक मंडियों में जनवरी महीने में पूसा-1121 बासमती चावल सेला का भाव 8,100 से 8,200 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि गुरुवार को भाव घटकर 7,000 से 7,200 रुपये प्रति क्विंटल रह गए।

हालांकि ट्रेडिशनल बासमती चावल और डुप्लीकेट बासमती (डीपी) की कीमतों में इस दौरान 2,00 से 400 रुपये प्रति क्विंटल का ही मंदा आया है। उत्पादक मंडियों में बासमती पूसा-1121 धान की कीमतें इस दौरान घटकर 4,200 से 4,250 रुपये प्रति क्विंटल रह गईं।

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एमपी जिंदल ने बताया कि ईरान की मांग कम होने से जनवरी-फरवरी में बासमती चावल के निर्यात सौदों में कमी आई है।

चावल के दाम

27.43 लाख टन हो चुका है चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में बासमती चावल का निर्यात। बासमती चावल के दामों में भी 200 से 400 रुपए की मंदी आ चुकी है।

टेलिकॉम में विलय की शर्तें आसान

बिजनेस भास्कर/ एजेंसियां | नई दिल्ली

अधिग्रहण व विलय के लिए बेताब टेलिकॉम कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने टेलिकॉम कंपनियों के बीच संभावित विलय डील्स के लिए बाजार हिस्सेदारी वाले नियमों को आसान कर दिया है।

अब से अगर दो टेलिकॉम कंपनियों के बीच विलय होता है और इसके बाद अस्तित्व में आने वाली कंपनी की बाजार हिस्सेदारी अधिकतम 50 फीसदी तक हो जाती है, तो भी उस विलय को हरी झंडी दिखा दी जाएगी। गौरतलब है, अभी तक दो टेलिकॉम कंपनियों के आपसी विलय को तभी मंजूरी दी जाती थी, जब विलय बाद उनकी संयुक्त बाजार हिस्सेदारी किसी भी टेलीकॉम सर्किल में 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होती थी।

अड़ंगा भी

» अगर सस्ते स्पेक्ट्रम वाली कंपनी को खरीदा तो अधिग्रहणकर्ता कंपनी को उस स्पेक्ट्रम की एंट्री फीस व उसके बाजार मूल्य का अंतर सरकार को अदा करना होगा

कंपनियों को आपत्ति

टेलीकॉम कंपनियों का मत, गाइडलाइंस के इस प्रावधान से विलय सौदे उन्हें पड़ेंगे महंगे

सेंसेक्स में 186 अंकों की गिरावट

मुंबई | देश के शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट का रुख रहा। लगातार पांच दिन की तेजी के बाद शेयरों में नरमी देखी गई। इस अवधि में सेंसेक्स 529.62 अंक की बढ़त दर्ज करके एक माह के उच्च स्तर के करीब भी पहुंच गया था।

एचएसबीसी-मार्किट के ताजा मासिक सर्वे के मुताबिक, फरवरी माह में चीन का मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 48.3 पर आ गया। इस इंडेक्स के 50 से कम रहने का मतलब यह है कि फरवरी माह के दौरान चीन में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की ग्रोथ नकारात्मक में चली गई है। इसमें भी समस्या यह है कि यह ग्रोथ सात माह के सबसे निचले स्तर पर रही है। दुनिया की इस दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में कमजोरी का सीधा असर ग्लोबल इकोनॉमी पर पड़ता है और इसी वजह से गुरुवार को ग्लोबल स्तर पर निवेशकों की धारणा पर दबाव बना। एशिया के सभी मुख्य बाजार 2.15 फीसदी तक की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 186.33 अंकों की गिरावट के साथ 20,536.64 पर और निफ्टी 61.30 अंकों की गिरावट के साथ 6,091.45 पर बंद हुआ।

नई प्रीमियम सेडान लॉन्च करेगी मारुति सुजुकी

एजेंसी | नई दिल्ली

बाजार में पकड़ और बिक्री बढ़ाने के लिए मारुति सुजुकी नई रणनीति अपनाने वाली है। मारुति सुजुकी का प्लान है नए सेगमेंट्स में एंट्री लेने का। इसी साल मारुति सुजुकी एक प्रीमियम सेडान लॉन्च करने वाली है। ये एक ऐसा सेगमेंट है जिसमें अब तक मारुति सुजुकी नहीं उतरी थी। सूत्रों का कहना है कि मारुति सुजुकी के नए मॉडल का प्रोडक्शन भारत में ही किया जाएगा। ये भारत में बनने वाली मारुति सुजुकी की सबसे महंगी कार भी होगी। इसकी मदद से मारुति सुजुकी एक नए प्राइस सेगमेंट में भी एंट्री लेगी क्योंकि नए मॉडल का दाम 9-12 लाख रुपये के बीच होगा। माना जा रहा है कि मारुति सुजुकी की नए सेडान होंडा सिटी और हुंडई वर्ना को टक्कर देगी। इसके अलावा मारुति सुजुकी ने 2017 तक नई कारों को बाजार में उतारने का भी लक्ष्य रखा है।

9 से 12 लाख रुपए कीमत की होगी नई सेडान

न्यूज़ इनबॉक्स

फोर्ड खोलेगी 500 कंज्यूमर टच प्वाइंट

नई दिल्ली | कार निर्माता कंपनी फोर्ड इंडिया ने कहा है कि वह देश के छोटे शहरों में 200 कस्टमर टच प्वाइंट स्थापित करने जा रही है। कंपनी देशभर में वर्ष 2015 तक 500 कस्टमर टच प्वाइंट स्थापित करना चाहती है। छोटे शहरों में ये 200 टच प्वाइंट कंपनी की योजना का हिस्सा हैं। फोर्ड इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (मार्केटिंग, सेल्स व सर्विस) विनय पिपरसानिया ने कहा कि हमारा लक्ष्य देशभर में वर्ष 2015 तक 500 कस्टमर टच प्वाइंट शुरू करना है।

ग्लैक्सोस्मिथलाइन का एफडीआई प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली | सरकार ने गुरुवार को ग्लोबल हेल्थकेयर कंपनी ग्लैक्सोस्मिथलाइन के 6,400 करोड़ रुपए के एफडीआई प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी। ग्लैक्सोस्मिथलाइन इस एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रस्ताव के तहत अपनी भारतीय यूनिट में 24.33 फीसदी की और हिस्सेदारी खरीदेगी।आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने गुरुवार को ग्लैक्सोस्मिथलाइन पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके तहत वह जीएसके ग्रुप की मौजूदा भारतीय सब्सिडियरी कंपनी के 24.33 फीसदी शेयर खरीदेगी।

हिताची के हवाले होगी प्रिज्म पेमेंट सर्विसेज

नई दिल्ली | जापानी कंपनी हिताची द्वारा प्रिज्म पेमेंट सर्विसेज का अधिग्रहण किए जाने के प्रस्ताव को सरकार ने गुरुवार को अपनी मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव के जरिए देश में तकरीबन 1,540 करोड़ रुपए का विदेशी निवेश आएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि 'सीसीईए' ने हिताची कंसल्टिंग सॉफ्टवेयर सर्विसेज इंडिया प्रा. लि. और हिताची लिमिटेड (जापान) द्वारा प्रिज्म पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि. में 100 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किए जाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस अधिग्रहण से जापानी कंपनी को भारत में अपनी कमाई बढ़ाने में मदद मिलेगी। टोक्यो स्थित हिताची का मानना है कि उसकी ग्लोबल रणनीति में भारत भी बिल्कुल फिट बैठता है।

रूप मंत्रा™ अपनाएं
त्वचा को गोरा, बेदाग, स्वस्थ एवं सौम्य बनाएं...

▪ सांवलापन ▪ कील–मुहासे ▪ छाईयां ▪ झुर्रियां ▪ रूखी त्वचा

Roop Mantra Ayurvedic Face Cream

'रूप मंत्रा' आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, मुलट्ठी इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती है। इसके अद्भुत पोषक एवं एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चेहरे की त्वचा को युवा रखने में सहायता करते हैं। ऐलोवेरा में मौजूद Auxin और Gibberellins चेहरे की मृत कोशिकाओं को हटाकर स्वाभाविक त्वचा बनाने में मददगार होता है। यह त्वचा के सांवलेपन, बढ़ती उम्र की झुर्रियों, आंखों के नीचे काले घेरे, खिंचाव के निशान इत्यादि के प्रबंधन में सहायक है।

'रूप मंत्रा' आयुर्वेदिक कैप्सूल में मौजूद ब्राह्मी, पुष्कर मूल, नारंगी, पिपली, द्राक्षा और हरी चाय इत्यादि का समायोग त्वचा के रोमछिद्रों में भरे बैक्टीरिया और गंदगी को बाहर कर कील-मुहासों पर नियंत्रण करता है। यह औषधियां रक्त के शुद्धिकरण के लिए प्रसिद्ध एवं वर्णित हैं। त्वचा के सुधार से संबंधित कोई भी औषधी केवल तभी यथोचित कार्य कर सकती है जब शरीर की अंदर से सफाई एवं स्वास्थ्य पर उचित ध्यान दिया गया हो। इसी क्रम में रूप मंत्रा कैप्सूल त्वचा को अन्य bacterial, fungal infections से संरक्षित कर त्वचा के नीचे blood एवं lymph के परिसंचालन एवं प्रबंधन में सहायता करता है। इससे त्वचा युवा एवं जीवंत बनी रहती है।

Roop Mantra Ayurvedic Capsule

'रूप मंत्रा' हर्बल फेस वॉश में मौजूद खीरा त्वचा की शीतलता एवं ताजगी के लिये सुप्रसिद्ध है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि कॉस्मैटिक्स साबुनों एवं प्रसधानों में अधिक झाग के लिये कुछ कैमिकल्स मिलाये जाते हैं, जिनके दूरगामी दुष्प्रभाव होते हैं। रूप मंत्रा हर्बल फेस वॉश को यह ध्यान में रखते हुए बनाया गया है कि इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा को उचित लाभ मिले। खीरे में मौजूद एस्कोरबिक एसिड व कैफीक एसिड पानी की कमी (जिसके कारण आंखों के नीचे सूजन आने लगती है) को कम करता है। यह डार्क सर्कल और छाईयों को कम कर रंग को साफ करने में मदद करता है व चेहरे पर कील-मुहासों को रोकने और दोबारा होने से नियंत्रित करता है।

Roop Mantra Herbal Face Wash

24x7 Helpline 0171-3055111 • Available at all leading Medical & General Stores